अफगानिस्तान पर गहरा रही है ड्रैगन के साथ दोस्ती

तालिबानी नेताओं की चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई मुलाकात

मुलाकात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान के 90 फीसदी इलाकों पर कब्जा करने का दावा करने वाले तालिबान का प्रतिनिधिमंडल मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के नेतृत्व में चीन पहुंचा है। अमेरिकी सेनाओं की वापसी के ऐलान के बाद ऐसा पहली बार है जब तालिबानी नेता चीन पहुंचे हैं। इस यात्रा के दौरान तालिबानी नेताओं की चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ मुलाकात हुई। राजनयिक हलकों में अफगानिस्तान को लेकर यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है।

मुल्ला बरादर ने चीन को आश्वासन दिया कि अफगान धरती का इस्तेमाल किसी देश की सुरक्षा के खिलाफ नहीं होने दिया जाएगा। यह मुलाकात ऐसे समय पर हो रही है जब कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के चीफ फैज हामिद ने भी चीन जाकर वांग यी से मुलाकात

की थी। तालिबान ने चीन के शिंजियांग प्रांत से सटे देश के आधे से ज्यादा सीमाई इलाके पर कब्जा कर लिया है। चीन को डर सता रहा है कि आतंकी संगठन उसके शिंजियांग प्रांत में घुसपैठ कर सकते हैं।

चीन ने तालिबान से दोस्ती के लिए रखी बड़ी शर्तः इस लिहाज से भी तालिबान नेताओं के साथ चीनी विदेश मंत्री की मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। दोनों पक्षों के बीच चीन के तिआनजिन शहर में मुलाकात हुई। चीन ने तालिबान नेताओं से स्पष्ट रूप से कहा है कि वे सभी आतंकी संगठनों से अपने संबंध को पूरी तरह से खत्म करें। इसमें अलकायदा समर्थित उइगर मुस्लिम अतिवादी संगठन ETIM भी शामिल है जो शिंजियांग प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ रहा है।

वांग यी ने पिछले दिनों दुशांबे में कहा था कि गृहयुद्ध से बचा जाना चाहिए और बातचीत को फिर से शुरू करना चाहिए। वांग यी ने अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी की भी जमकर प्रशंसा की थी और कहा था कि उन्होंने राष्ट्रीय एकता के लिए काफी काम किया है। हालांकि तालिबान के दोस्त पाकिस्तानी विदेश मंत्री की चीन यात्रा के बाद ड्रैगन और मुल्ला बरादर की मुलाकात का क्या परिणाम निकलता है, यह देखना अहम होगा।

चीन के सख्त रूख के बाद पाकिस्तान ने साधने की कोशिश कीः दरअसल, तालिबान को अंतरराष्ट्रीय दोस्तों की दरकार है जो अफगान सरकार के खिलाफ जंग में उसकी मदद कर सकें। हालांकि उसके आतंकी इतिहास को देखते हुए ऐसा होता दिख नहीं रहा है। चीन के सख्त रूख के बाद पाकिस्तान ने उसे साधने की कोशिश की है। इससे पहले तालिबान ने चीन को दोस्त बताकर उसे अपने पाले में लाने का प्रयास किया था। तालिबान ने यह भी कहा कि वह अफगानिस्तान के पुनर्निमाण में चीन के निवेश पर जल्द से जल्द बातचीत करना चाहता है। बता दें कि अफगानिस्तान में तांबा, कोयला, लोहा, गैस, कोबाल्ट, पारा, सोना, लिथियम और थोरियम के दुनिया के सबसे बड़े भंडारों में से एक हैं।

न्यूज डायरी

जिसे राखी बांध बनाया भाई, उसी ने जबरन किया निकाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू महिला रीना मेघवार को कोर्ट के आदेश पर उनके माता–पिता को सौंप दिया गया है। रीना मेघवार ने बताया कि उन्होंने रक्षाबंधन के मौके पर अपने पड़ोस में रहने वाले कासिम काशखेली को राखी बांधकर से उसे अपना श्भाईश बनाया था। बाद में इस कलयुगी श्भाईश की नीयत खराब हो गई और उसने रीना का अपहरण कर उन्हें जबरन इस्लाम कबूल कराया और निकाह कर लिया। रीना ने दुनिया से मदद की गुहार लगाई और देखते ही देखते उनका वीडियो वायरल हो गया। दबाव बढ़ने पर पाकिस्तानी अदालत ने रीना मेघवार को उनके माता–पिता को सौंपने का आदेश दिया है। आरोप यह भी है कि महिला को प्रताड़ित किया गया और कासिम काशखेली ने जाली दस्तावेजों के आधार पर उससे शादी कर उसे मुस्लिम दिखाया। रीना मेघवार को 13 फरवरी को कासिम काशखेली ने दक्षिणी सिंध प्रांत के बदीन जिले के केरिओगजर इलाके से अगवा कर लिया था।

भारत से यूएई के लिए उड़ान शुरू होने पर संकट के बादल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले लाखों भारतीय पिछले कई महीनों से कैद होकर रह गए हैं। यूएई से भारत के लिए फ्लाइट बंद हैं और यह बैन लगातार बढ़ता ही जा रहा है। कई भारतीय तो कोरोना काल में बेरोजगार हो गए है लेकिन उन्हें फ्लाइट बैन की वजह से मजबूरी में यूएई में ही रहना पड़ रहा है। यूएई की सरकारी कंपनी एतिहाद एयरवेज ने भारत से अपनी उड़ानों का संचालन 2 अगस्त तक के लिए निलंबित कर दिया है। गल्फ न्यूज के मुताबिक भारत से उड़ानों पर यूएई के नैशनल इमरजेंसी क्राइसिस और डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने 22 अप्रैल को निलंबित कर दिया था। यह प्रतिबंध जारी है और अभी एतिहाद एयरवेज ने प्रतिबंध को 2 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है। एमिरात एयरलाइंस की ओर से 23 जुलाई को जारी किए गए बयान के मुताबिक जो व्यक्ति पिछले 14 दिनों में किसी भी तरह से भारत की यात्रा पर गया हो उसे दुनिया के किसी भी हिस्से यूएई आने की अनुमति नहीं होगी।

तालिबान ने बिजली सप्लाई लाइनों को विस्फोटकों से उड़ाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। तालिबान के बिजली सप्लाई लाइनों पर किए गए हमले के बाद अफगानिस्तान की राजधानी काबुल अंधेरे में डूब गई है। अफगान ऊर्जा कंपनी डीएबीएस ने कहा कि काबुल और देश के अन्य हिस्सों को आज ब्लैकआउट का सामना करना पड़ रहा है। इस इलाके में तालिबान और अफगान सेना के बीच जंग जारी है। इनके बीच बिजली कंपनी अपने इंजीनियर और कर्मचारियों को भी नहीं भेज पा रही है। कंपनी ने फेसबुक पर लिखा कि बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने के बाद काबुल और कई अन्य क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है। अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों के देश से हटने के बाद से अफगानिस्तान में हिंसा बढ़ रही है।

कमिश्नर के कुत्ते की तलाश में ऑटो रिक्शा पर ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रहे आजम खान की भैंस गुम होने पर पुलिस और प्रशासन ने घर–घर जाकर उसकी तलाश की थी। अब एक ऐसा ही वाकया भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी सामने आया है। गुजरांवाला के कमिश्नर जुल्फिकार अहमद घूमान का पालतू कुत्ता मंगलवार को गुम हो गया तो पूरी सरकारी मशीनरी को उसे तलाश करने के लिए लगा दिया गया। पुलिस ने घर–घर जाकर तलाशी ली और लाउडस्पीकर पर कुत्ते के गुम होने का ऐलान किया गया। गुजरांवाला के कमिश्नर ने रिक्शा का इस्तेमाल किया और स्पीकर के जरिए गली और मोहल्ले में अपने कुत्ते के गुम हो जाने और उसकी सूचना देने के बारे में ऐलान किया। यही नहीं उन्होंने अपने मातहत कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे किसी भी कीमत पर कुत्ता ढूढ़कर लाएं।

भारत समेत रेड लिस्ट में शामिल देशों की यात्रा की तो 3 साल बैन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रियाद। सऊदी अरब ने अपने नागारिकों को चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने कोरोना वायरस की रेड लिस्ट में शामिल देशों की यात्रा की तो उन्हें 3 साल के लिए यात्रा करने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। सऊदी अरब ने यह चेतावनी कोरोना के नए वेरिएंट के फैलने के बाद उसके प्रसार पर काबू पाने के मकसद से दी है। ऐसे सऊदी नागरिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शामिल है। रेड लिस्ट में शामिल देशों में भारत, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों को शामिल कर रखा है।

सऊदी अरब की सरकारी न्यूज एजेंसी एसपीए ने गृह मंत्रालय के अनाम सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। उसने बताया कि मई महीने में सऊदी के कुछ नागरिकों को मार्च 2020 के बाद पहली बार बिना अधिकारियों की अनुमति के विदेश जाने की अनुमति दी थी लेकिन उन्होंने यात्रा नियमों का उल्लंघन किया था।

अधिकारियों ने कहा कि अगर अब कोई यात्रा नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। यही नहीं ऐसे लोगों के खिलाफ भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्हें तीन साल तक यात्रा करने से बैन कर दिया जाएगा।

घर के अंदर कुआं खोद रहा था हाथ लगा 7.43 अरब का नीलम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। कहते हैं कि किसी की कीमत कब पलट जाए कोई नहीं जानता है। कुछ ऐसा ही हुआ श्रीलंका के एक शख्स के साथ जो घर में कुआं खोद रहा था और उसके हाथ दुनिया का सबसे बड़ा नीलम का पत्थर हाथ लग गया। इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 10 करोड़ डॉलर या 7 अरब 43 करोड़ 75 लाख 15 हजार रुपये आंकी गई है। इसकी विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह नीलम 25 लाख कैरेट का है। इस विशाल नीलम का वजन करीब 510 किलोग्राम है। माना जा रहा है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा नीलम है।

इस्लामाबाद की सड़क बनी नदी इमरान सरकार की हर तरफ फजीहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बारिश और बादल फटने से राजधानी इस्लामाबाद का बुरा हाल हो गया है। जोरदार बारिश की वजह से राजधानी के कई इलाकों में पानी जमा हो गया है। इस बीच सोशल मीडिया में एक वीडियो तेजी से शेयर किया जा रहा है जिसमें इस्लामाबाद के ई–11 सेक्टर में सड़क नदी में बदल गई है और उस पर खड़ी कार देखते ही देखते बह गई। इस वीडियो को पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर ने भी शेयर किया है।

इस्लामाबाद के डेप्युटी कमिश्नर मुहम्मद हमजा शफाकात ने कहा कि उनकी टीम नालों और सड़कों की सफाई कर रही है। अगले कुछ घंटे में सभी को साफ कर दिया जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक इस्लामाबाद के कुछ इलाकों में पिछले कुछ घटों में 330 मिलीमीटर की बारिश हुई है। सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे कुछ अन्य वीडियो में भी नजर आ रहा है कि बारिश की वजह से घरों को नुकसान पहुंचा है।

शोएब अख्तर ने लिखा, आम नागरिकों ने इस्लामाबाद में सुबह यह देखा है। यह नजारा ई–11 सेक्टर का है। मैं लोगों के सुरक्षित होने की कामना करता हूं। इस्लामाबाद में रहने वाले हुसैन प्रशासन की ओर से कोई भी हमारी मदद के लिए नहीं आया जोरावर ने लिखा कि हमारा घर ई–11 सेक्टर में है और बीती रात से ही बादल फटने की वजह से पानी में डूबा हुआ है। अभी तक प्रशासन की ओर से कोई भी हमारी मदद के लिए नहीं आया है। पाकिस्तानी नेता फातिमा भुट्टो ने एक बाढ़ के वीडियो पर ट्वीट किया कि उम्मीद है कि अधिकारी इस पर ध्यान देंगे।

बाढ़ के मामले का तत्काल हल किया जाना जरूरी है। बता दें कि राजधानी इस्लामाबाद की देखरेख इमरान सरकार करती है। इस बीच भारी बारिश की वजह से रावलपिंडी में सेना के जवानों को तैनात किया गया है। पाक सेना ने कहा कि आर्मी के जवान नागरिक प्रशासन की मदद कर रहे हैं।

तालिबान पर भारी पड़ी अफगान सेना की कमांडो यूनिट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद आतंक मचाए तालिबान लड़ाकों को अफगान सेना के कमांडो यूनिट ने कड़ी शिकस्त दी है। अफगानिस्तान के उत्तरी जिलों से अफगान सेना की इस स्पेशल टुकड़ी ने तालिबान को पीछे ढकेल दिया है। इतना ही नहीं, अफगान सेना ने उज्बेकिस्तान–ताजिकिस्तान सीमा कब्जा कर बैठे आतंकियों को भी मार भगाया है। इस जीत से उत्साहित अफगान सेना अब तालिबान के नए ठिकानों पर तेजी से हमला करने की योजना पर काम कर रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्थानीय निवासियों से मिल रहे समर्थन के बाद अफगान सेना ने तालिबान को कलदार जिले से बाहर निकाल दिया है। कलदार अफगानिस्तान के उत्तरी सीमा क्षेत्र बल्ख प्रांत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक एरिया है। इसकी सीमाएं उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान से सटी हुई हैं। अमू नदी के किनारे बसा यह जिला एक महीने पहले तालिबान के कब्जे में आ गया था।